डायरी का एक पन्ना

Question 1.
लाठी चार्ज होने पर सुभाष बाबू से किसने कहा कि आप इधर आ जाइए ?
(a) मदालसा बजाज नारायण ने
(b) अविनाश बाबू ने
(c) ज्योतिर्मय गांगुली ने
(d) पुरुषोत्तम राय ने

▼ Answer

Answer: (c) ज्योतिर्मय गांगुली ने।

Question 2.
सुभाष बाबू जुलूस के समय क्या बोल रहे थे? ||
(a) दिल्ली चलो दिल्ली दूर नहीं
(b) सारे जहाँ से अच्छा हिन्दोस्तां हमारा
(c) वंदे मातरम्
(d) जयहिंद

▼ Answer

Answer: (c) वंदे मातरम्।

Question 3.
लेखक की आँखें किसका फटा सिर देखकर मिंच जाती थी?
(a) अविनाश बाबू
(b) क्षितीश चटर्जी
(c) हरिश्चंद्र सिंह
(d) अविनाश बाबू

▼ Answer

Answer: (b) क्षितीश चटर्जी।

Question 4.
स्त्रियों ने कहाँ खड़े होकर झंडा फहराया?
(a) पार्क के बीच में
(b) मोनुमैंट की सीढ़ियों पर चढ़कर
(c) चौराहे पर
(d) धर्मतल्ले के मोड़ पर

▼ Answer

Answer: (b) मौनुमेंट की सीढ़ियों पर चढ़कर।

Question 5.
सुभाष बाबू को गिरफ्तार करके कहाँ भेजा गया?
(a) दमदम जेल में
(b) चौरंगी पुलिस थाने में
(c) लाल बाज़ार लॉकअप में
(d) अस्पताल में

▼ Answer

Answer: (c) लाल बाज़ार लॉकअप में।

Question 6.
जूलूस कहाँ आकर टूट गया ?
(a) लाल बाजार चौराहे पर
(b) चौरंगी पर
(c) धर्मतल्ले के मोड़ पर
(d) श्रद्धानंद पार्क के पास

▼ Answer

Answer: (c) धर्मतल्ले के मोड़ पर।

Question 7.
लेखक के साथ दमदम जेल में कौन थे?
(a) सुभाष बाबू
(b) बृजलाल गोयनका
(c) क्षितीश चटर्जी
(d) अविनाश बाबू

▼ Answer

Answer: (b) बृजलाल गोयनका।

Question 8.
पुलिस द्वारा जुलूस निकाल रही कितनी स्त्रियों को गिरफ्तार किया गया?
(a) साठ
(b) सौ
(c) अस्सी
(d) एक सौ पाँच

▼ Answer

Answer: (d) एक सौ पाँचा

Question 9.
घायलों का फोटो किसलिए उतारा जा रहा था?
(a) ताकि प्रमाण रहे कि किन-किन लोगों ने जुलूस में भाग लिया
(b) अंग्रेज सरकार को दिखाने के लिए

(c) सुभाष बाबू को दिखाने के लिए
(d) इनमें से कोई नहीं

▼ Answer

Answer: (a) ताकि प्रमाण रहे कि किन-किन लोगों ने जुलूस में भाग लिया
ताकि प्रमाण रहे किन-किन लोगों ने जुलूस में भाग लिया और कलकत्तावासियों का क्या योगदान है।

Question 10.
पुलिस की लाठी जार्च से लगभग कितने आदमी घायल हुए ?
(a) बीस
(b) तीस
(c) सौ
(d) दो सौ

▼ Answer

Answer: (d) दो सौ।

Question 11.
किसके नाम पर कलंक था कि यहाँ काम नहीं होता?
(a) कलकत्ता के
(b) बंगाल के
(c) बंगाल या कलकत्ता के
(d) इनमें से कोई नहीं

▼ Answer

Answer: (c) बंगाल या कलकत्ता के
बंगाल या कलकत्ता।

Question 12.
'डायरी का एक पन्ना' पाठ के लेखक कौन है।।
(a) सीतारात सेकसरिया
(b) रवींद्र केलकर
(c) प्रह्लाद अग्रवाल
(d) लीलाधर मंडलोई

▼ Answer

Answer: (a) सीताराम सेकसरिया।

Question 13.
26 जनवरी 1931 के दिन का इतिहास में क्या महत्त्व है ?
(a) इस दिन को भारतवासियों ने दूसरे स्वतंत्रता दिवस के रूप में मनाया था
(b) इस दिन भारत का संविधान लागू हुआ था
(c) इस दिन अंग्रेजों ने भारत की आजादी की घोषणा की थी
(d) इस दिन भारत छोड़ो आंदोलन की शुरुआत हुई

▼ Answer

Answer: (a) इस दिन को भारतवासियों ने दूसरे स्वतंत्रता दिवस के रूप में मनाया था
इस दिन को भारतवासियों ने स्वतंत्रता दिवस के रूप में मनाया।

Question 14.
कलकत्तावासियों ने स्वतंत्रता दिवस मनाने के लिए प्रचार में कितना धन खर्च किया?
(a) एक लाख रुपये
(b) बीस हजार रुपये
(c) बारह हजार रुपये
(d) दो हजार रुपये

▼ Answer

Answer: (d) दो हजार रुपये।

Question 15.
बड़े-बड़े पार्कों और मैदानों को किसने घेर रखा था?
(a) लोगों ने
(b) स्वतंत्रता सेनानियों ने |
(c) पुलिस ने
(d) सेना ने

▼ Answer

Answer: (c) पुलिस के।

Question 16.
श्रद्धानंद पार्क में किसके द्वारा झंडा फहराया गया?
(a) नेता जी सुभाष
(b) बृजलाल गोयनका
(c) अविनाश बाबू
(d) पूर्णोदास

▼ Answer

Answer: (c) अविनाश बाबू
अविनाश बाबू ने।

Question 17.
सुंदरी पार्क में किसके द्वारा झंडा फहराया जाना था?
(a) नेताजी सुभाष चन्द्र बोस के द्वारा
(b) पूर्णोदास के द्वारा
(c) कांग्रेस पार्टी के युद्ध मंत्री हरिश्चंद्रसिंह के द्वारा
(d) मदालसा बजाज नारायण के द्वारा

▼ Answer

Answer: (c) कांग्रेस पार्टी के युद्ध मंत्री हरिश्चंद्रसिंह के द्वारा
हरिश्चंद्र के द्वारा।

Question 18.
सुभाष बाबू के जुलूस का भार किस पर था?
(a) अविनाश बाबू पर
(b) जानकी देवी पर
(c) सीताराम सेकसरिया पर
(d) पूर्णोदास पर

▼ Answer

Answer: (d) पूर्णोदास पर
पूर्णोदास के ऊपर।

Question 19.
कौंसिल की तरफ से निकले नोटिस के अनुसार झंडा कितने बजे फहराया जाना था?
(a) चार बजकर चौबीस मिनट पर
(b) ठीक चार बजे
(c) चार बजकर बयालिस मिनट पर
(d) चार बजकर तीस मिनट पर

▼ Answer

Answer: (a) चार बजकर चौबीस मिनट पर।

Question 20.
सुभाष बाबू अपना जुलूस लेकर कितने बजे आए ?
(a) ठीक चार बजे
(b) ठीक चार बजकर दस मिनट पर
(c) चार बजकर बीस मिनट पर
(d) चार बजकर चौबीस मिनट पर

▼ Answer

Answer: (b) ठीक चार बजकर दस मिनट पर
चार बजकर दस मिनट पर।

Question 21.
सुभाष बाबू के जुलूस को कहाँ पर रोका गया।?
(a) सुंदरी पार्क में
(b) श्रद्धानंद पार्क में
(c) लाल बाजार के पास
(d) चौंरगी पर

▼ Answer

Answer: (d) चौंरगी पर।

गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न

(1)

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही विकल्प को चुनिएबड़े बाज़ार के प्रायः मकानों पर राष्ट्रीय झंडा फहरा रहा था और कई मकान तो ऐसे सजाए गए थे कि ऐसा मालूम होता था कि मानो स्वतंत्रता मिल गई हो। कलकत्ते के प्रत्येक भाग में ही झंडे लगाए गए थे। जिस रास्ते से मनुष्य जाते थे, उसी रास्ते में उत्साह और नवीनता मालूम होती थी। लोगों का कहना था कि ऐसी सजावट पहले नहीं हुई। पुलिस भी अपनी पूरी ताकत से शहर में गश्त देकर प्रदर्शन कर रही थी। मोटर लारियों में गोरखे तथा सारजेंट प्रत्येक मोड़ पर तैनात थे। कितनी ही लारियाँ शहर में घुमाई जा रही थीं। घुड़सवारों का प्रबंध था। कहीं भी ट्रैफिक पुलिस नहीं
थी, सारी पुलिस को इसी काम में लगाया गया था। बड़े-बड़े पार्कों तथा मैदानों को पुलिस ने सवेरे से ही घेर लिया था।

Question 1.
कौन-से बाजार में सभी मकानों पर राष्ट्रीय झंडा फहराया गया था ?
(a) लाल बाजार
(b) बड़े बाज़ार
(c) बिहु बाज़ार
(d) चौरंगी बाज़ार

▼ Answer

Answer: (b) बड़े बाज़ार में।

Question 2.
सजे हुए मकानों को देखकर क्या लगता था ?
(a) मानो स्वतंत्रता मिल गई हो
(b) मानो आज कोई समारोह हो
(c) मानो सरकारी समारोह हो
(d) मानो आज बड़ा दिन हो

▼ Answer

Answer: (a) मानो स्वतंत्रता मिल गई हो।

Question 3.
शहर में अपना शक्ति-प्रदर्शन कौन कर रहे थे?
(a) क्रांतिकारी
(b) पुलिस
(c) विद्यार्थी
(d) समाज सेवक

▼ Answer

Answer: (b) पुलिस।

Question 4.
लारियाँ शहर में क्यों घुमाई जा रही थीं ?
(a) ताकि क्रांति को बढ़ावा मिल सके

(b) ताकि स्वतंत्रता सेनानियों का हौसला न बढ़े
(c) ताकि शहर पर निगरानी हो सके
(d) ताकि सरकार के हुक्म का पालन हो सके

▼ Answer

Answer: (b) ताकि स्वतंत्रता सेनानियों का हौसला न बढ़ सके।

Question 5.
कहीं भी ट्रैफिक पुलिस क्यों नहीं थी ?
(a) ट्रैफिक पुलिस की आवश्यकता नहीं थी
(b) ट्रैफिक पुलिस ट्रैफिक का इंतजाम कर रही थी
(c) ट्रैफिक पुलिस सरकारी अफसरों की अगवानी में लगी थी
(d) सारी ट्रैफिक पुलिस को पार्कों और मैदानों में लगाया गया था; ताकि लोग इकट्ठे न हो सके।

▼ Answer

Answer: (d) सारी ट्रैफिक पुलिस को पार्को और मैदानों में लगाया गया था ताकि लोग इकट्ठे न हो सकें।

---

(2)

मौनुमेंट के नीचे, जहाँ शाम को सभा होने वाली थी, उस जगह को तो भोर में छह बजे से ही पुलिस ने बड़ी संख्या में घेर लिया था; पर तब भी कई जगह तो भोर में ही झंडा फरहराया गया। श्रद्धानंद पार्क में बंगाल प्रांतीय विद्यार्थी संघ के मंत्री अविनाश बाबू ने झंडा गाड़ा तो पुलिस ने उनको पकड़ लिया तथा और लोगों को मारा या हटा दिया। तारा सुंदरी पार्क में बड़ा-बाज़ार कांग्रेस कमेटी के युद्ध मंत्री हरिश्चंद्र सिंह झंडा फहराने गए, पर वे भीतर न जा सके। वहाँ पर काफ़ी मारपीट हुई और दो-चार आदमियों के सिर फट गए। गुजराती सेविका संघ की ओर से जुलूस निकला; जिसमें बहुत-सी लड़कियाँ थीं, उनको गिरफ्तार कर लिया।

11 बजे मारवाड़ी बालिका विद्यालय की लड़कियों ने अपने विद्यालय में झंडोत्सव मनाया। जानकीदेवी, मदालसा (मदालसा बजाज नारायण) आदि भी गई थीं। लड़कियों को, उत्सव का क्या मतलब है, समझाया गया। एक बार मोटर में बैठकर सब तरफ़ घूमकर देखा तो बहुत अच्छा मालूम हो रहा था। जगह-जगह फ़ोटो उतर रहे थे। अपने भी फोटो का काफ़ी प्रबंध किया था। दो-तीन बजे कई आदमियों को पकड़ लिया गया जिसमें मुख्य पूर्णोदास और पुरुषोत्तम राय थे।

Question 1.
मौनुमेंट के नीचे जहाँ सभा होनी थी, उस जगह को पुलिस ने सुबह से ही क्यों घेर लिया?

▼ Answer

Answer:
संकेतः

- पुलिस किसी भी सूरत में भारतीयों को स्वतंत्रता दिवस मनाने से रोकना चाहती थी।
- यदि लोग पार्कों में जमा हो गए तो उनको रोक पाना मुश्किल हो जाएगा।

Question 2.
श्रद्धानंद पार्क में क्या घटना घटी?

▼ Answer

Answer:
संकेतः

- श्रद्धानंद पार्क में अविनाश बाबू द्वारा झंडा फहराया गया।
- पुलिस ने लाठी चार्ज करके लोगों को मारा।

Question 3.
उस अभियान में महिलाओं की क्या भागीदारी रही ?

▼ Answer

Answer:
संकेतः

- महिलाओं ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया।
- गुजराती सेवा संघ की ओर से जुलूस निकाला गया।
- अनेक लड़कियों को गिरफ्तार किया गया।
- मारवाड़ी बालिका विद्यालय की ओर से भी जुलूस निकाल गया।

Question 4.
जगह-जगह फोटो क्यों उतार रहे थे ?

▼ Answer

Answer:
संकेतः

- ताकि स्वतंत्रता संग्राम में भाग लेने का प्रमाण रह सके
- कोई यह न कहे कि कलकत्ता में कोई काम नहीं होता।

Question 5.
किन-किन मुख्य आदमियों को गिरफ्तार किया गया ?

▼ Answer

Answer:
संकेतः

- पूर्णोदास और पुरुषोत्तम राय को।

---

(3)

सुभाष बाबू के जुलूस का भार पूर्णोदास पर था, पर यह प्रबध कर चुका था। स्त्री-समाज अपनी तैयारी में लगा था। जगह-जगह से स्त्रियाँ अपना जुलूस निकालने की तथा ठीक स्थान पर पहुँचने की कोशिश कर रही थीं। मौनुमेंट के पास जैसा प्रबंध भोर में था, वैसा करीब एक बजे नहीं रहा। इससे लोगों को आशा होने लगी कि शायद पुलिस अपना रंग न दिखलावे, पर वह कब रुकने वाली थी। तीन बजे से ही मैदान में हज़ारों आदमियों की भीड़ होने लगी और लोग टोलियाँ बना-बनाकर मैदान में घूमने लगे। आज जो बात थी वह निराली थी। जब से कानून भंग का काम शुरू हुआ है, तब से आज तक इतनी बड़ी सभा ऐसे मैदान में नहीं की गई थी और यह सभा तो कहना चाहिए कि ओपन लड़ाई थी। पुलिस

कमिश्नर का नोटिस निकल चुका था कि अमुक-अमुक धारा के अनुसार कोई सभा नहीं हो सकती। जो लोग काम करने वाले थे, उन सबको इंस्पेक्टरों के द्वारा नोटिस और सूचना दे दी गई थी कि आप यदि सभा में भाग लेंगे तो दोषी समझे जाएँगे। इधर कौंसिल की तरफ़ से नोटिस निकल गया था कि मौनुमेंट के नीचे ठीक चार बजकर चौबीस मिनट पर झंडा फहराया जाएगा तथा स्वतंत्रता की प्रतिज्ञा पढ़ी जाएगी। सर्वसाधारण की उपस्थिति होनी चाहिए। खुला चैलेंज देकर ऐसी सभा पहले नहीं की गई थी।

Question 1.
लोगों ने जुलूस की क्या-क्या तैयारियाँ की ?

▼ Answer

Answer:
संकेतः

- सुभाष बाबू के जुलूस का भार पूर्णोदास पर था। उन्होंने पूरी तैयारी कर रखी थी।
- स्त्री-समाज अपनी तैयारी में लगा था, वे ठीक स्थान पर पहुँचने की कोशिश कर रही थीं।

Question 2.
मौनुमेंट के पास पुलिस का कैसा प्रबंध था?

▼ Answer

Answer:
संकेतः

- मौनुमेंट के पास दोपहर होते-होते पुलिस ने ढील दे दी।
- तीन बजे मैदान में हज़ारों आदमी इकट्ठे हो गए।

Question 3.
लेखक ने यह क्यों कहा कि वह एक ओपन लड़ाई थी?

▼ Answer

Answer:
संकेतः

- आज तक लोगों में इतना उत्साह नहीं देखा था।
- इतनी बड़ी सभी मैदान में नहीं की गई थी।
- स्त्रियों की इतनी सक्रिय भागीदारी पहले कभी नहीं देखी गई।

Question 4.
पुलिस कमिश्नर का नोटिस क्या था?

▼ Answer

Answer:
संकेतः

- अमुक धारा के अनुसार वहाँ कोई सभा नहीं हो सकती।
- इंस्पेक्टरों के द्वारा सूचना दी गई थी कि यदि आप सभा में भाग लेंगे तो दोषी समझे जाएँगे।

Question 5.
कौंसिल ने अपने नोटिस में क्या लिखा था?

▼ Answer

Answer:
संकेतः

- मौनुमेंट के नीचे ठीक चार बजकर चौबीस मिनट पर झंडा फहराया जाएगा।
- स्वतंत्रता की प्रतिज्ञा पढ़ी जाएगी।
- सर्वसाधारण की उपस्थिति होनी चाहिए।

---

(4)

सुभाष बाबू को पकड़ लिया गया और गाड़ी में बैठाकर लाल बाज़ार लॉकअप में भेज दिया गया। कुछ देर बाद ही स्त्रियाँ जुलूस बनाकर वहाँ से चलीं। साथ में बहुत बड़ी भीड़ इकट्ठी हो गई। बीच में पुलिस कुछ ठंडी पडी थी, उसने फिर डंडे चलाने शुरू कर दिए। अब की बार भीड़ ज़्यादा होने के कारण बहुत आदमी घायल हुए। धर्मतल्ले के मोड़ पर आकर जुलूस टूट गया और करीब *50-60* स्त्रियाँ वहीं मोड़ पर बैठ गईं। पुलिस ने उनको पकड़कर लाल बाज़ार भेज दिया। स्त्रियों का एक भाग आगे बढ़ा जिसका नेतृत्व विमल प्रतिभा कर रही थीं। उनको बहू बाज़ार के मोड़ पर रोका गया और वे वहीं मोड़ पर बैठ गईं। आस-पास बहुत बड़ी भीड़ इकट्ठी हो गई, जिस पर पुलिस
बीच-बीच में लाठी चलाती थी।

Question 1.
सुभाष बाबू को क्यों गिरफ्तार किया गया?

▼ Answer

Answer:
संकेतः

- सुभाष बाबू स्वतंत्रता दिवस समारोह के लिए जा रहे जुलूस का नेतृत्व कर रहे थे।
- सुभाष बाबू को झंडा फहराने से रोकने के लिए उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया।

Question 2.
सुभाष बाबू को पकड़कर कहाँ ले जाया गया?

▼ Answer

Answer:
संकेतः

- सुभाष बाबू को पकड़कर लाल बाज़ार लॉकअप में ले जाया गया।

Question 3.
जुलूस कहाँ आकर और क्यों टूट गया?

▼ Answer

Answer:
संकेतः

- पुलिस ने भीड़ पर लाठी चार्ज किया।
- जब लोग धर्मतल्ले के मोड़ पर आए तो लाठी चार्ज के कारण तितर-बितर हो गए।

Question 4.
जुलूस के टूटने पर स्त्रियों ने क्या किया?

▼ Answer

Answer:
संकेतः

- 50-60 स्त्रियाँ मोड़ पर ही बैठ गईं।
- स्त्रियों का एक दल विमल प्रतिभा के नेतृत्व में आगे बढ़ा।

Question 5.
पुलिस का जनता के प्रति कैसा व्यवहार रहा ?

▼ Answer

Answer:
संकेतः

- पुलिस ने जब भी भीड़ को देखा, लाठी चार्ज करके उन्हें तितर-बितर कर दिया।
- स्त्रियाँ इकट्ठा होकर बहू बाज़ार मोड़ पर बैठ गई।

---

(5)

इस प्रकार करीब पौन घंटे के बाद पुलिस की लारी आई और उनको लाल बाज़ार ले जाया गया। और भी कई आदमियों को पकड़ा गया। बृजलाल गोयनका; जो कई दिन से अपने साथ काम कर रहा था और दमदम जेल में भी अपने साथ था, पकड़ा गया। पहले तो वह झंडा लेकर वंदे मातरम् बोलता हुआ मौनुमेंट की ओर इतने ज़ोर से दौड़ा कि अपने आप ही गिर पड़ा और उसे एक अंग्रेज़ी घुड़सवार ने लाठी मारी, फिर पकड़कर कुछ दूर ले जाने के बाद छोड़ दिया। इस पर वह स्त्रियों || के जुलूस में शामिल हो गया और वहाँ पर भी उसको छोड़ दिया, तब वह दो सौ आदमियों का जुलूस बनाकर लाल बाज़ार गया और वहाँ पर गिरफ्तार हो गया। मदालसा भी पकड़ी गई थी। उससे मालूम हुआ कि उसको थाने में भी मारा था। सब मिलाकर *105* स्त्रियाँ पकड़ी गई थीं। बाद में रात को नौ बजे सबको छोड़ दिया गया। कलकत्ता में आज तक इतनी स्त्रियाँ एक साथ गिरफ्तार नहीं की गई थीं। करीब आठ बजे खादी भंडार आए तो कांग्रेस ऑफ़िस से फ़ोन आया कि यहाँ बहुत आदमी चोट खाकर आए हैं और कई की हालत गंभीर है, उनके लिए गाड़ी चाहिए। जानकीदेवी के साथ वहाँ गए, बहुत लोगों को चोट लगी हुई थी। डॉक्टर दासगुप्ता उनकी देख-रेख तथा फ़ोटो उतरवा रहे थे। उस समय तक *67* आदमी वहाँ आ चुके थे। बाद में तो *103* तक आ पहुँचे।

Question 1.
बृजलाल गोयनका का स्वतंत्रता संघर्ष में क्या योगदान रहा?

▼ Answer

Answer:
संकेतः

- बृजलाल गोयनका स्वतंत्रता संघर्ष में जेल में भी बंद रहे।
- वे झंडा लेकर मौनुमेंट की तरफ दौड़े।

- पुलिस से छूटने के बाद वह दो सौ आदमियों का जुलूस बनाकर लाल बाजार गया।
- वह फिर गिरफ्तार हो गया।

Question 2.
मदालसा का इस आंदोलन में क्या योगदान रहा?

▼ Answer

Answer:
संकेतः

- मदालसा को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया।
- वह स्त्रियों का नेतृत्व कर रही थी।

Question 3.
इस आंदोलन में स्त्रियों की क्या भूमिका रही ?

▼ Answer

Answer:
संकेतः

- इस आंदोलन में स्त्रियों की महत्त्वपूर्ण भूमिका रही।
- इतनी संख्या में कभी भी स्त्रियों ने किसी आंदोलन में भाग नहीं लिया।
- इस आंदोलन में 105 स्त्रियाँ पुलिस द्वारा गिरफ्तार की गईं।

Question 4.
फोन कहाँ से आया था और क्यों?

▼ Answer

Answer:
संकेतः

- फ़ोन कांग्रेस ऑफ़िस से आया था।
- जुलूस में काफी लोग घायल हो गए थे।
- उनके लिए गाड़ी की ज़रूरत थी।

Question 5.
डॉ. दास गुप्ता क्या भूमिका निभा रहे थे?

▼ Answer

Answer:
संकेतः

- डॉ. दासगुप्ता घायलों की देखभाल कर रहे थे।
- वे उनके फोटो भी उतरवा रहे थे।

विषय-बोध पर आधारित प्रश्न

Question 1.
जुलूस रोकने के लिए पुलिस ने क्या-क्या प्रबंध किए।

▼ Answer

Answer:
संकेतः

- पुलिस को पार्कों और मैदानों में लगा दिया गया।
- शहर में पुलिस की लारियाँ घुमाई जा रही थीं।
- घुड़सवारों का भी प्रबंध था।

Question 2.
कई जगह भोर में ही झंडा क्यों फहरा दिया गया?

▼ Answer

Answer:
संकेतः

- पुलिस के विरोध के कारण ऐसा किया
- पुलिस चाहती थी कि कोई झंडा न फहरा पाए।
- स्वतंत्रता सेनानियों ने मौका मिलते ही झंडा फहरा दिया।

Question 3.
जुलूस के समय सुभाष बाबू की कैसी स्थिति थी?

▼ Answer

Answer:
संकेतः

- सुभाष बाबू जोर-जोर से वंदे मातरम् बोल रहे थे।
- उन पर लाठियों का प्रहार हो रहा था।
- वे आगे ही बढ़ते जा रहे थे।

Question 4.
भारतीयों ने अपना पहला स्वतंत्रता दिवस कब मनाया था? इस तिथि का हमारे लिए क्या महत्त्व है ?

▼ Answer

Answer:
संकेतः

- 26 जनवरी सन् 1930 को।
- 26 जनवरी, 1950 को ही भारत का संविधान लागू किया गया।
- 26 जनवरी, 1930 को अधिवेशन कर यह प्रस्वाव पास किया गया था- हम 'पूर्ण स्वराज्य' से कम कुछ भी स्वीकार नहीं करेंगे।

Question 5.
'डायरी का पन्ना' पाठ हमें क्या संदेश देता है?

▼ Answer

Answer:
संकेतः

- देश-भक्ति का संदेश देता है।
- पिल-जुलकर कार्य करने का संदेश देता है।
- यह बताता है कि आजादी के लिए कितना संघर्ष करना पड़ा।
- स्त्रियों की भूमिका के बारे में भी पता चलता है।

Question 6.
सुभाष बाबू के जुलूस में स्त्री-समाज की क्या भूमिका थी?

▼ Answer

Answer:
संकेतः

- स्त्री-समाज ने बढ़-चढ़कर भाग लिया
- गुजरात सेविका संघ की ओर से जुलूस निकाला गया।
- अनेक स्त्रियाँ गिरफ्तार हुईं।

Question 7.
जुलूस के लाल बाज़ार आने पर लोगों की क्या दशा हुई?

▼ Answer

Answer:
संकेतः

- लाल बाज़ार आने पर भीड़ बहुत बढ़ गई थी।
- पुलिस को भीड़ पर काबू पाना मुश्किल हो रहा था।
- पुलिस ने भीड़ पर लाठी चार्ज कर दिया।
- लाठी चार्ज होने से जुलूस तितर-बितर हो गया।

Question 8.
'आज जो बात थी वह निराली थी'- किस बात से पता चल रहा था कि आज का दिन अपने में निराला है?

▼ Answer

Answer:
संकेतः

- कलकत्तावासियों ने स्वतंत्रता दिवस का आयोजन उत्साह से किया।
- स्त्री-समाज ने भी इस आंदोलन में बढ़-चढ़कर अपनी भूमिका निभाई।

- इस जुलूस में सैकड़ों लोग घायल हुए।
- 105 स्त्रियाँ गिरफ्तार की गईं।

Question 9.
इस पाठ में ओपन लड़ाई किसे कहा गया है? और क्यों ?

▼ Answer

Answer: संकेत:

- सरकार की ओर से प्रतिबंध होने के बाद भी लोग स्वतंत्रता दिवस मनाने के लिए कृतसंकल्प थे।
- स्वतंत्रता सेनानियों ने सरकार के चेलेंज को स्वीकार किया।
- उन्होंने सरकार के साथ टक्कर लेते हुए ध्वजारोहण किया।

Question 10.
सुभाष बाबू के जुलूस का भार किस पर था? उसके साथ क्या हुआ ?

▼ Answer

Answer:
संकेत:

- सुभाष बाबू के जुलूस का भार पूर्णोदास पर था।
- पूर्णोदास को गिरफ्तार कर लिया गया।